ECHO OF HIS CALL

बुलावे की प्रतिध्वनि

HINDI

India's National Spiritual Newspaper

₹ 10/-

(ECHO GROUP)

Published monthly in ENGLISH, TAMIL, MALAYALAM, TELUGU, HINDI, KANNADA, MARATHI, BENGALI, GUJARATI, ODIYA, ASSAMESE, PUNJABI, NEPALI, URDU, SINHALA & AFRIKAN

Editor : S. SAM SELVA RAJ | 16 Languages | Associate Editor : Sis. DOROTHY S. THOMAS

Vol. XXVII | NOVEMBER 2022 | No.12

पवित्र बाइबल!

इन वचनों को याद करें

परमेश्वर की स्तुति हो

भजन ७७:१-११

१ मैं परमेश्वर की दोहाई चिल्ला चिल्लाकर दूँगा,
मैं परमेश्वर की दोहाई दूँगा, और वह मेरी ओर
कान लगाएगा।
२ संकट के दिन मैं प्रभु की खोज में लगा रहा;
रात को मेरा हाथ फैला रहा, और ढीला न हुआ,
मुझ में शान्ति आई ही नहीं।
३ मैं परमेश्वर का स्मरण कर करके कराहता हूँ;
मैं चिन्ता करते करते मूर्च्छित हो चला हूँ।
४ तू मुझे झपकी लगने नहीं देता; मैं ऐसा घबराया
हूँ कि मेरे मुँह से बात नहीं निकलती।
५ मैं ने प्राचीनकाल के दिनों को, और युग युग
के वर्षों को सोचा है।
६ मैं रात के समय अपने गीत को स्मरण करता;
और मन में ध्यान करता हूँ, और मन में भली
भाँति विचार करता हूँ :
७ "क्या प्रभु युग युग के लिये छोड़ देगा; और फिर
कभी प्रसन्न न होगा?
८ क्या उसकी करुणा सदा के लिये जाती रही?
क्या उसका वचन पीढ़ी पीढ़ी के लिये निष्फल
हो गया है?
९ क्या परमेश्वर अनुग्रह करना भूल गया? क्या
उसने क्रोध करके अपनी सब दया को रोक
रखा है?"
१० मैं ने कहा, "यही तो मेरा दुखः है, कि
परमप्रधान का दाहिना हाथ बदल गया है।"
११ मैं याह के बड़े कामों की चर्चा करूँगा; निश्चय
मैं तेरे प्राचीनकालवाले अद्भुत कामों का स्मरण
करूँगा।

प्रभु आपको भी आशीष देगा!

THE LORD WILL BLESS YOU ALSO!

यह तेरे पिता के उस ईश्वर का काम है, जो तेरी सहायता करेगा, उस सर्वशक्तिमान् का जो तुझे ऊपर से आकाश में की आशीषें, और नीचे से गहिरे जल में की आशीषें, और स्तनों और गर्भ की आशीषें देगा। –उत्पत्ति 49:25

(पास्टर एस. अब्राहम द्वारा एको ऑफ हिज़ कॉल की ५४वीं वर्षगांठ समारोह के दौरान दिया गया प्रभु का संदेश)

उत्पत्ति ४९ में, प्रभु ने हमारे पूर्वज याकूब द्वारा उसके १२ पुत्रों में से प्रत्येक को उसके मरने से पहले दी गई आशीषों को प्रकट किया है।

"यूसुफ" नाम का अर्थ गुणन है। ऊपर उद्धृत पद (उत्पत्ति ४९:२५), यूसुफ को दी गई आशीष है। इस आशीष में हम चार प्रकार के आशीर्वाद देख सकते हैं :

(i) स्वर्ग से आशीषें,
(ii) जो आशीष नीचे गहराई से आती है,
(iii) अपने बच्चों को दूध पिलाने वाली मां से संबंधित आशीष,
(iv) मां के गर्भ से संबंधित वरदान, जो कई पीढ़ियों को जन्म देने में सक्षम है, हालांकि बच्चे के जन्म के समय मां को बहुत दर्द होता है।

स्वर्गीय आशीर्वाद!

स्वर्ग से जो आशीषें मिलती हैं, वे अत्यंत उत्तम होती हैं। परमेश्वर की हर संतान को यह आशीष प्राप्त करना चाहिए। जब हमारे पूर्वज इसहाक ने अपने पुत्र को आशीर्वाद दिया तो उसने सबसे पहले स्वर्गीय आशीर्वाद दिया : **"परमेश्वर तुझे आकाश से ओस, और भूमि की उत्तम से उत्तम उपज, और बहुत सा अनाज और नया दाखमधु दे"** (उत्पत्ति २७:२८)। इस आशीर्वाद के अनुसार, यहोवा परमेश्वर ने याकूब को वह सब कुछ दिया जिसका उल्लेख इसहाक ने किया था। उत्पत्ति १:१ में हम पढ़ते हैं, **आदि में परमेश्वर ने आकाश और पृथ्वी की उत्पत्ति की।** तो बाइबल बताती है कि "आकाश" को पहले बनाया गया था। परमेश्वर ने "आकाश" को बहुत महत्व दिया है। जब अब्राहम को उस प्रतिज्ञा के बारे में संदेह हुआ जो परमेश्वर ने उसे दी थी, तब यहोवा ने उसे बाहर ले जाकर आकाश की ओर देखने को कहा।

और उसने उसको बाहर ले जा के कहा, "आकाश की ओर दृष्टि करके तारागण

पृष्ठ ३ में क्रमशः...

ECHO OF HIS CALL - (1969-2019 GOLDEN JUBILEE YEAR)

from your dearly beloved brother...

OUR MISSION POLICY

We should expound and teach the contemporary generation the undiluted teachings of the ancient and early Apostles. It is the need of the hour.

CHIEF EDITOR
Angeline Selvakumari Henry, M.A., M.Ed.

MANAGING EDITOR
Pastor Alex Samson Sam, B.Th., M.Div.

ADMINISTRATION
Bro. N. Prakasam, M.A., General Manager

EDITORIAL BOARD
Sis. Jesy Veena Sam
Sis. Serena Bevin, M.A., M.Phil., B.Ed.
Rev. Dr. K.R. Rajasekaran
Dr. A. Richard Samuel, M.A., Ph.D.

EDITOR, PUBLISHER & PRINTER
Pastor S. SAM SELVA RAJ
Echo of His Call Printers
10, Mohammed Abdullah 2nd Street,
Chepauk, Chennai- 600 005, India.
Phone : (+ 91- 44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766
Cell : (+91) 98410 71852, 95661 31858

CORE LEADERS
Bro. K. Puratchivendan
Bro. A. Edward Durai
Bro. A. Alvin
Bro. K. Abraham
Sis. Dhanalakshmi Chinnaiah

E.mail ID
sam@echoofhiscall.org
biblecor@yahoo.co.in

WEBSITES
www.echoofhiscall.org
www.stpaulsmatriculation.com

YOUTUBE CHANNEL
Echo of His Call

"यहोवा अपना मुख तेरी ओर करे, और तुझे शांति दे।" (गिनती 6:26)

मसीह यीशु में अत्यंत प्रिय मित्रों,

हम आपको हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के अद्भुत नाम से प्यार से अभिवादन करते हैं।

परमेश्वर की असीम कृपा से वर्ष २०२२ का अंत निकट आ रहा है। दुनिया भर के लोग खुद को तैयार कर रहे हैं और बेसब्री से यीशु मसीह के जन्म और नए साल 2023 की सुबह का जश्न मनाने के लिए इंतज़ार कर रहे हैं। आत्मिक लोग होने के नाते, हमें इन दिनों का आत्मिक तरीकों से गंभीरता से उपयोग करना चाहिए। हमें खुद को उत्कट प्रार्थना और परमेश्वर की वास्तविक सेवकाई में शामिल करना चाहिए।

प्रार्थना और सेवकाई एक सिक्के के दो पहलू हैं। हम बहुत से लोगों को परमेश्वर की सेवकाई में व्यस्त देखते हैं, लेकिन वे अपने प्रार्थना कार्यक्रम को छोड़ देते हैं। इसके परिणामस्वरूप आत्मिक थकान और विश्वास में पीछे हटना होगा ।

मैं नीचे हाथ से लिखा हुआ एक संक्षिप्त विचार साझा कर रहा हूं जो परमेश्वर ने आज सुबह मुझे आपके साथ दिया है।

लोगों के बीच सहभागिता कभी-कभी कुछ कड़वी भावनाएं लाती है। हम पूर्ण व्यक्ति नहीं हैं लेकिन हम हर दिन पूर्णता की ओर बदलते जा रहे हैं। यदि हम पवित्र आत्मा के लिए खुले हैं तो परमेश्वर हमें शुद्ध करने और हमें बदलने के लिए लोगों का उपयोग करता है। लेकिन जो लोग हमेशा प्रार्थना करते हैं वे क्रोध और संदेह के लिए कोई जगह नहीं देंगे।

प्रार्थना के अभाव के कारण मनमुटाव और कलह की उपस्थिति होती है। एक प्रार्थना रहित व्यक्ति दो चीजों में से एक का स्रोत होता है, अर्थात संघर्ष या विश्वास में पीछे हटना। पौलुस ने स्पष्ट रूप से उन चुनौतियों और परेशानियों को जानते हुए जो सहभागिता में पैदा होंगी, कलीसिया के लिए एक सख्त कानून बनाया कि लोगों को बिना रुके प्रार्थना करनी चाहिए। इस मुद्दे को संभालने की जिम्मेदारी तीमुथियुस को दी गई थी। जब प्रेरित प्रार्थना के लिए कम समय के साथ प्रारंभिक कलीसिया में चीजों को संभाल रहे थे, तो उन्होंने देखा कि परेशानी, असंतोष और संघर्ष चल रहा है। उन्होंने तुरंत कारण का निदान किया - प्रार्थना की अनुपस्थिति। जब उन्होंने प्रार्थना की आवश्यक व्यवस्था की, तो फिर से संगति की मधुरता जारी रही (प्रेरितों के काम 6:4)।

Key Leaders of our ministry in Chennai

जब प्रार्थना विफल हो जाती है, तो पवित्रता विफल हो जाती है। सभी प्रकार के पाप आते हैं - आँखों की अभिलाषा, शरीर की अभिलाषा और जीविका का घमंड आते हैं और व्यक्तिगत उद्धार और बड़े पैमाने पर मसीह की देह के लिए आपदा का कारण बनते हैं। कोई संतुष्टि नहीं है। शिकायत, बड़बड़ाना, दोष ढूंढ़ना, आलोचना और निंदा बढ़ती है। ये प्रार्थनाहीनता के कड़वे फल हैं। संदेह कष्टदायी अंत को लाएगा। ये सब तब होता है जब लोग प्रार्थना में असफल हो जाते हैं। प्रार्थनाहीनता के परिणामस्वरूप सहभागिता विफल हो जाती है। प्रार्थना जीवनदायिनी है जो आत्मा के फल को उत्पन्न करती है।

हमारे प्रमुख अगुवों के लिए विशेष कार्यक्रम।

12 सितंबर, 2022 को सायं 5.00 बजे से सहभागिता और प्रार्थना के लिए चेन्नई में हमारी सेवकाई के प्रमुख अगुवों का एक विशेष सम्मेलन था। परमेश्वर ने इसे आशीषित किया। भाइयों, हमारे लिए प्रार्थना करें। (1 थिस्सलुनीकियों)। 5:25

परमेश्वर आपको आशीष दे।

मसीह यीशु में आपके सेवक,

पास्टर एस. सैम सिल्वा राज और एलेक्स सैमसन सैम

(+91) 98412 71858 / 98410 71858,
E.mail : samselvaraj333@gmail.com

पृष्ठ 1 से आगे:...

को गिन, क्या तू उनको गिन सकता है?" फिर उसने उससे कहा, "तेरा वंश ऐसा ही होगा।" उत्पत्ति 15:5 जब हम इस सांसारिक जीवन में थक जाते हैं, तो हमारे दुख उस स्वर्गीय

आशीर्वाद के कारण आनंद में बदल जाते हैं जो परमेश्वर हमें बताता है। एक छोटा लड़का यीशु मसीह के पास आया। उसके पास पांच रोटियां और दो मछलियां थीं। जब वह भोजन प्रभु यीशु मसीह के हाथ में आया, तो उसने ५००० से अधिक लोगों की भूख को तृप्त किया। एक छोटे लड़के का खाना इतने भूखे लोगों को कैसे खिलाया गया? यह चमत्कार कैसे हुआ? क्या यह इसलिए नहीं है कि यीशु मसीह ने भोजन को स्वर्ग की ओर उठाया और स्वर्ग की आशीषों को प्राप्त किया?

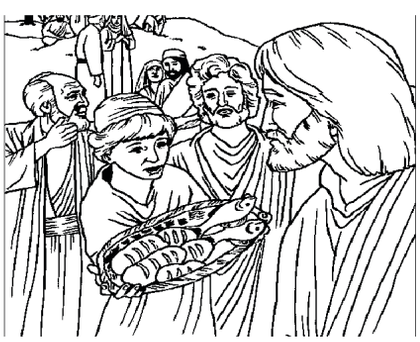

यीशु मसीह को अपनी सेवकाई में अक्सर स्वर्ग की ओर देखने की आदत थी। स्वर्ग की आशीषें उस स्वर्गीय निवास से सामर्थ को नीचे लाएंगी जहां परमेश्वर रहता है। यह स्वर्गीय आशीर्वाद की महिमा के कारण था, जो भोजन एक छोटे लड़के के लिए पर्याप्त था वह इतना सामर्थी हो सकता था कि उसने हजारों लोगों की भूख मिटा दी।

आइए देखते हैं एक और घटना जो स्वर्ग की महिमा को प्रमाणित करती है। एक बार लोग ईसा मसीह के पास एक बहरे और गूंगे व्यक्ति को ले आए। मरकुस ७:३३,३४ में हम पढ़ते हैं, **तब वह उसको भीड़ से अलग ले गया, और अपनी उंगलियां उसके कानों में डालीं, और थूककर उसकी जीभ को छुआ; और स्वर्ग की ओर देखकर आह भरी, और उस से कहा, "इप्फत्तह!" अर्थात् "खुल जा"!** जब लाजर बीमार हो गया, तो उन्होंने यीशु मसीह को उसे चंगा करने के लिए आमंत्रित किया। लेकिन जब वह बीमार था या जब वह मर गया तब यीशु मसीह लाजर को देखने नहीं आया। लाजर की मृत्यु के चार दिन बाद वह उस स्थान पर पहुंचा। यद्यपि लाजर यीशु मसीह का प्रिय मित्र था, वह उसकी कब्र पर तब आया जब लाजर के शरीर से पहले से ही बदबू आने लगी थी (यूहन्ना 11:39)। यूहन्ना 11:41, 42, में बाइबल कहती है... **यीशु ने आँखें उठाकर कहा, "हे पिता, मैं तेरा धन्यवाद करता हूँ कि तू ने मेरी सुन ली है। मैं जानता था कि तू सदा मेरी सुनता है..."** इस प्रकार स्वर्ग से आशीषें और सामर्थ पाने के बाद, **यह कहकर उसने बड़े शब्द से पुकारा, "हे लाज़र, निकल आ!"** तब लाजर, जिसकी देह से बदबू आ रही थी क्योंकि वह चार दिन से मरा हुआ था, जीवित निकल आया। यीशु मसीह के लिए यह कोई समस्या नहीं है कि समस्या कितनी बड़ी है। वह किसी भी समस्या से बड़ा है क्योंकि वह सर्वशक्तिमान और सर्वसामर्थी ईश्वर है। स्वर्गीय आशीर्वाद जो हमारे परमेश्वर की सामर्थ को नीचे लाता है वह किसी भी समस्या से बड़ा है। इसके अलावा, यह उन सभी को परमेश्वर का राज्य प्रदान करता है जो ईमानदारी से विश्वास करते हैं। **जब इस्राएली रपीदीम में थे, तब उन्होंने पीने के पानी के विषय में मूसा से विवाद किया। उस समय मूसा ने आंखें उठाकर यहोवा की दोहाई दी** (निर्गमन 17:1–4)। उस सूखे क्षेत्र में, स्वर्गीय आशीर्वाद अद्भुत तरीके से नीचे आई और चट्टान से पानी बह निकला। (निर्गमन 17:5–6)।

जब याकूब बेर्शेबा से हारान की ओर जाने को चला, तब वह एक बेघर खानाबदोश की नाईं ठहर गया। कोई बिस्तर या तकिया नहीं था। उसने तकिए के रूप में एक पत्थर का इस्तेमाल किया। वह अपने भविष्य के बारे में कुछ नहीं जानते हुए वहीं सो गया। वह जीवन के ज्ञान में एक नौसिखिया था और वह एक महान मानसिक तनाव में था। वहां उसने एक स्वप्न देखा...**तब उसने स्वप्न में क्या देखा, कि एक सीढ़ी पृथ्वी पर खड़ी है, और उसका सिरा स्वर्ग तक पहुंचा है; और परमेश्वर के दूत उस पर से चढ़ते उतरते हैं। और यहोवा उसके ऊपर खड़ा होकर कहता है...** उत्पत्ति 28:12,13

परमेश्वर के एक सेवक ने अपनी सारी बचत और लोगों द्वारा दिए गए दान से 5000 लोगों के बैठने की क्षमता वाले एक चर्च का निर्माण किया। कुछ ही महीनों में चर्च में एक बड़ा तूफान आया, जिसे उसने कई समस्याओं के बीच बनवाया था और इमारत ढह गई। भले ही वह भयानक पीड़ा में था, फिर भी जब उसने परमेश्वर की स्तुति की, तब बहुत से लोगों ने उसका मज़ाक उड़ाया। इस कठिन परिस्थिति में, कुछ लोगों ने उनके पास आकर पूछा, "क्या आप हमारे चर्च में प्रचार कर सकते हैं?" उसने यह सोचकर उनके अनुरोध को स्वीकार कर लिया कि इससे उसे आराम मिल सकता है। कई महीनों तक वह वहां प्रचार सेवा में लगे रहे। चूंकि जहां उन्होंने प्रचार किया था वहां लोगों ने प्रभु की महिमा का अनुभव किया, उनमें से कई लोगों ने आराधना सभाओं में भाग लेना शुरू कर दिया। कई लोगों को नया जीवन मिला। जब उन्होंने वहां लगभग दो लाख लोगों की भीड़ को उपदेश देना शुरू किया, तो उन्होंने प्रभु की कोमल आवाज को बहुत स्पष्ट रूप से सुना। जब वह बहुत प्रसन्नता से परमेश्वर की बात सुन रहा था, तो प्रभु ने उससे कहा, "तुम्हारी आवश्यकता केवल 5000 लोगों के लिए नहीं चाहिए। मैंने तुम्हारे पुराने चर्च को नष्ट कर दिया क्योंकि मैं तुम्हें लाखों लोगों के लिए इस्तेमाल करना चाहता था।"

परमेश्वर ने घोंसले को नष्ट कर दिया, ताकि पक्षी अपने आप उड़ना सीखे और अपने भोजन का शिकार खुद ही करे। याकूब ने स्वप्न में कौन सी सीढ़ी देखी? सीढ़ी के ऊपर उसने प्रभु को देखा। उस सीढ़ी के बारे में जानने के लिए, आइए हम यूहन्ना 1:51 की ओर मुड़ें : **फिर उस से कहा, "मैं तुम से सच सच कहता हूं कि तुम स्वर्ग को खुला हुआ, और परमेश्वर के स्वर्गदूतों को मनुष्य के पुत्र के ऊपर उतरते और ऊपर जाते देखोगे।"** वह सीढ़ी स्वयं यीशु मसीह है। यीशु मसीह वह सीढ़ी है जिसके माध्यम से आपकी प्रार्थनाओं को परमेश्वर पिता के पास ले जाया जाता है, और उनके उत्तरों को नीचे लाया जाता है। **उसके सिर और बाल श्वेत ऊन वरन् पाले के समान उज्ज्वल थे, और उसकी आंखें आग की ज्वाला के समान थीं। उसके पांव उत्तम पीतल के समान थे जो मानो भट्ठी में तपाया गया हो, और उसका शब्द बहुत जल के शब्द के समान था। वह अपने दाहिने हाथ में सात तारे लिये हुए था...** प्रकाशितवाक्य 1:14–16 यीशु मसीह जिसका चेहरा तेज चमकते सूरज की तरह था, हमारे लिए सीढ़ी की तरह बन जाता है और वह हमेशा हमारे साथ हैं और हमें कभी नहीं छोड़ेगा और हमारी रक्षा करता है। अय्यूब 9:11 में हम पढ़ते हैं, **"देखो, वह मेरे सामने से होकर तो चलता है परंतु मुझको नहीं दिखाई पड़ता; और आगे को बढ़ जाता है, परंतु मुझे सूझ ही नहीं पड़ता है।"** जब वह हमारे साथ रहता है, तो वह हमें आशीर्वाद देने के लिए तैयार होता है, हम इसे महसूस करने में असफल होते हैं।

2. पृथ्वी की आशीषें!

जब हम स्वर्गीय आशीषों को प्राप्त करते हैं,

तो वह उसके साथ-साथ सांसारिक आशीषें भी प्रदान करता है। पृथ्वी की आशीष बहुत महत्वपूर्ण है। **जब परमेश्वर मूसा से सीनै पर्वत पर ऐसी बातें कर चुका, तब उसने उसको अपनी उंगली से लिखी हुई साक्षी देनेवाली पत्थर की दोनों तख्तियां दीं।** निर्गमन 31:18 स्वर्गीय आशीर्वाद ग्रहण करने के बाद, मूसा सीनै पर्वत से पत्थर की पटिया में लिखी गई यहोवा की व्यवस्था, जो पृथ्वी का आशीर्वाद है, ले आया। लोगों की अगुवाई करने, बच्चों को रास्ता दिखाने और परिवार की सहायता करने के लिए पृथ्वी के इस आशीर्वाद की आवश्यकता थी। जब मूसा ने पहाड़ से उतरने में देर की, तो लोगों ने हारून को एक ढाला हुआ बछड़ा बनाने के लिए विवश किया और वे उसकी पूजा करने लगे। जब मूसा ने यह देखा, तो वह बहुत क्रोधित हुआ, और बड़े क्रोध में, उसने पत्थर की पटिया को नीचे गिरा दिया और उन्हें तोड़ दिया। यह पर्याप्त नहीं है कि हम केवल स्वर्गीय और आत्मिक आशीर्वाद प्राप्त करें। हमें धरती की भी आशीष चाहिए। यह आशीष दर्द, मानसिक तनाव

पृष्ठ 6 में क्रमशः...

नहेम्याह बाइबल कॉलेज
रेसिडेन्शल कॉलेज, चेन्नई।

माध्यमः हिन्दी

सदस्यता के लिए पंजीकृत उम्मीदवार - ATA

सुविख्यात अंतर्राष्ट्रीय मसीही अगुवे तथा पिछले 53 वर्षों से सेवारत वरिष्ठ पासवान

सर्टिफिकेट इन थियोलॉजी – 1 साल

डिप्लोमा ऑफ थियोलॉजी – 2 साल

योग्यता 10 वी या अधिक

जल्दी करें!

Contact : The Chairman, Nehemiah Bible College.

10, MOHAMMED ABDULLAH 2ND STREET, CHEPAUK, CHENNAI - 600 005, INDIA.
Phone : (+91-44) 2852 8282, Cell : (+91) 98410 71852 / 95661 31858
E.mail : sam@echoofhiscall.org / Website : www.echoofhiscall.org

★ ऑनलाइन कक्षाएं उपलब्ध हैं ★

GREAT COMMISSION PARTNERS
ECHO OF HIS CALL MINISTRIES SINCE 1969

महान आदेश के भागी

❋ भार उठना (गलातियों ६:२), ❋ सहायता करना (रोमियों १२:१३) और ❋ चमकना (२ तीमुथियुस १:६)

स्तुति और प्रार्थना निवेदन

१६ नवम्बर २०२२ से १८ दिसम्बर २०२२ तक

(कृपया इस पृष्ठ को फाड़िये, घड़ी कीजिए और उसे अपनी बाइबल में रखकर निरंतर प्रार्थना कीजिए।)

स्तुति विषय

१६ नवम्बर : हमारे बाइबल पत्राचार पाठ्यक्रम और ईश्वरविज्ञान पत्राचार पाठ्यक्रम की उन्नति।

२० नवम्बर : हमारे प्रार्थना सहभागियों, शुल्क सहभागियों, विश्वास के सहभागियों, आजीवन प्रतिभागियों, महान आदेश प्रतिभागियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए।

२१ नवम्बर : हमें अपनी पत्रिका को १६ भाषाओं में हमारे सुसमाचार छापखाने में छापने और प्रकाशित करने और मिशन क्षेत्रों में भेजने में सक्षम बनाने के लिए।

२२ नवम्बर : अक्टूबर के महीने में हमारी सभी जरूरतों को पूरा करने के लिए।

२३ नवम्बर : हमारी अस्पताल सेवकाई में परमेश्वर के आश्चर्यकर्म के लिए।

२४ नवम्बर : हमारी मुख्य कलीसिया, शाखा कलीसिया और उसके विश्वासियों के लिए।

२५ नवम्बर : हमारे **सेंट पौल्स मैट्रिकुलेशन स्कूल** के प्रधानाचार्य, शिक्षक और अन्य कर्मचारी सदस्यों के लिए।

२६ नवम्बर : विविध सेवाओं के माध्यम से सुसमाचार का प्रचार करने की हमारे वरिष्ठ पासबान की प्रतिबद्धता के लिए।

२७ नवम्बर : हमारे चर्च को नए विश्वासियों के साथ आशीषित किया।

२८ नवम्बर : हमारी संस्था को नए कर्मचारियों की आशीष के लिए।

२९ नवम्बर : 12 सितम्बर 2022 को अगुवों के सम्मेलन पर आशीष के लिए।

३० नवम्बर : 30 सितम्बर 2022 को आयोजित चेपॉक के सभी विश्वासियों की प्रार्थना सभा पर आशीष के लिए।

०१ दिसम्बर : हमारे सभी कर्मचारी सदस्यों और उनके परिवारों पर आशीष के लिए।

०२ दिसम्बर : हमारे सहायक सम्पादक और उनके सहयोग के लिए।

दिसम्बर ०३ : अगम्य समूहों में सुसमाचार फैलाने के लिए मुख्य चर्च और शाखा चर्चों में हमारी रविवार की सेवाएं और सेवकाइयां।

प्रार्थना विषय

०४ दिसम्बर : सभी देशों की एकता और शांति।

०५ दिसम्बर : हमारे सेंट पौल्स मैट्रिकुलेशन स्कूल और नहेमायाह बाइबल कॉलेज कर्मचारी सदस्यों और छात्रों के लिए। हमारे सहभागियों और उनके परिवारों पर आशीष के लिए।

०६ दिसम्बर : हमारे सहायक सम्पादकों और उनके परिवार के लिए। हमारी बहन जेस्सी वीणा सैम सेल्वराज फिर बीमार है। उनके लिए।

०७ दिसम्बर : हमारे कर्मचारियों और मुद्रकों को हमारे परिसर में उनके काम के घंटों के दौरान सुरक्षित और स्वस्थ रखने के लिए।

०८ दिसम्बर : हमारे नहेमायाह बाइबल कॉलेज के आवासीय छात्रों के अच्छे स्वास्थ्य के लिए।

०९ दिसम्बर : सिंधी, कोंकणी और मणिपुरी में एको ऑफ हिज़ कह्ल पत्रिका के प्रकाशन लिए।

१० दिसम्बर : हमारी संस्था में उपयुक्त कर्मचारियों की भर्ती के लिए।

११ दिसम्बर : युवाओं में आत्महत्या की भावना को दूर करने के लिए।

१२ दिसम्बर : हमारे मुख्य चर्च और शाखा चर्चों के सभी सदस्यों के लाभ के लिए।

१३ दिसम्बर : परमेश्वर इस महीने की हमारी जरूरतों को पूरा करे।

१४ दिसम्बर : सेवकाई की गतिविधियों के प्रतिभागियों और एको ऑफ हिज़ कॉल के राज्य समन्वयकों के लिए।

१५ दिसम्बर : हमारी सेवकाई का विस्तार और दुनिया भर में सुसमाचार का प्रचार।

१६ दिसम्बर : पूरी दुनिया के सभी महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा। नहेमायाह बाइबिल कॉलेज के विद्यार्थियों और उनके अध्ययन के के लिए।

१७ दिसम्बर : हमारे वरिष्ठ पासबान की आत्मकथा लिखने में सफलता। हमारे सेंट पौल्स मैट्रिकुलेशन स्कूल में और विद्यार्थियों के दाखिले हों।

१८ दिसम्बर : हमारे वरिष्ठ पादरी एस. सैम सेल्वा राज और उनके परिवार के सदस्यों को सभी प्रकार की बुरी ताकतों से ईश्वरीय सुरक्षा।

पृष्ठ 4 से आगे...

और दुखों को दूर करेगी। यह हमें सांसारिक आशीर्वाद प्राप्त करने में भी मदद करती है। यह आशीर्वाद भी परमेश्वर की ओर से मिलता है। हमें यह सांसारिक आशीर्वाद अवश्य प्राप्त करना चाहिए। हम इस आशीर्वाद का उपयोग अपने लोगों, अपने बच्चों और अपने परिवार के लिए कर सकते हैं और उनका नेतृत्व कर सकते हैं। कई परिवार बड़ी मुसीबत में फंस जाते हैं क्योंकि उन्हें यह आशीर्वाद नहीं मिला है। यह सोचकर कि केवल स्वर्गीय आशीष ही पर्याप्त है, बहुत से लोग सांसारिक आशीषों को अस्वीकार कर देते हैं और जो परमेश्वर ने उन्हें दिया है उसे तोड़ देते हैं। इसलिए वे दुख में जीते हैं।

अय्यूब ने सिर्फ एक दिन में अपनी सारी सांसारिक आशीषें खो दीं। उसने उसी दिन 7000 भेड़, 3000 ऊंट, 500 जोड़ी बैल, 500 गदहे, अपने बेटे, बेटियां और नौकर खो दिए। अय्यूब जानता था कि उसका प्रभु परमेश्वर उसे दुगना लौटा सकता है, जो उसने खोया है। उसे विश्वास था कि वह उसे कभी नहीं छोड़ेगा। यद्यपि हम शैतान द्वारा दी गई परीक्षाओं के कारण सांसारिक आशीष खो सकते हैं, परमेश्वर उन्हें दुगने रूप में हमको देने में सक्षम है। **"मैं तेरे आगे आगे चलूंगा और ऊंची ऊंची भूमि को चौरस करूंगा, मैं पीतल के किवाड़ों को तोड़ डालूंगा और लोहे के बेड़ों को टुकड़े टुकड़े कर दूंगा। मैं तुझ को अन्धकार में छिपा हुआ और गुप्त स्थानों में गड़ा हुआ धन दूंगा...यद्यपि तू मुझे नहीं जानता, तौभी मैं ने तुझे पदवी दी है।" यशायाह 45:2—4**

फिर यहोवा ने मूसा से कहा, "पहली तख्तियों के समान पत्थर की दो और तख्तियां गढ़ ले; तब जो वचन उन पहली तख्तियों पर लिखे थे, जिन्हें तू ने तोड़ डाला, वे ही वचन मैं उन तख्तियों पर भी लिखूंगा।" निर्गमन 34:1

यदि आपने या तो परमेश्वर का वादा या सांसारिक आशीर्वाद तोड़ा है, तो कृपया समझ लें कि परमेश्वर उसे आपको वापस देने के लिए तैयार है। विश्वास में कार्य करें। परमेश्वर आपकी आवश्यकताओं की पूर्ति अवश्य करेगा।

३. मातृत्व की आशीषें

मातृत्व की आशीष बच्चों की परवरिश करने वाली मां को दर्शाता है। यूसुफ ने दूध पिलाने वाली

मां और गर्भ की आशीष प्राप्त की। २ राजा ४:८ में हम शूनेम की स्त्री के बारे में पढ़ते हैं, जो बहुत सम्मानित थी। उसे परमेश्वर के सेवकों की सेवा करने की आदत थी। उसने एक ऊपरी कमरा बनाया और सेवकों को वहीं ठहराया। वह उनकी सभी ज़रूरतों को पूरा करती है, **"तू ने हमारे लिये ऐसी बड़ी चिन्ता की है, तो तेरे लिये क्या किया जाए?"**...अलीशा ने पूछा - 2 राजा 4:13। इससे हम समझते हैं कि उसने परमेश्वर के सेवकों की बहुत अच्छी तरह से देखभाल की। यीशु मसीह ने अपने चेलों से कहा, "जो कोई एक कटोरा पानी तुम्हें इसलिये पिलाए कि तुम मसीह के हो तो मैं तुम से सच कहता हूँ कि वह अपना प्रतिफल किसी रीति से न खोएगा" (मरकुस 9:41)। स्वर्ग पहचानता है कि आप परमेश्वर के सेवकों को क्या सेवा प्रदान करते हैं। परमेश्वर के सेवक कौन हैं? वे आपके प्राण और आत्मा की बेहतरी के लिए संघर्ष करते हैं। वे प्रार्थना करते हैं कि आप अपने जीवन में सफल हों। वे आपके बारे में स्वर्ग में परमेश्वर को रिपोर्ट करते हैं। "यहोवा मेरा चरवाहा है; मुझे कुछ घटी नहीं होगी" भजन संहिता २३:१. चरवाहे के हाथ में जो छड़ी होती है, वह कोमल पत्तियों को नीचे लाने में सहायक होती है, ताकि भेड़ें उन्हें खा सकें। जब भेड़ें जमीन पर पड़ी घास खाना समाप्त कर देती हैं, तो चरवाहे की छड़ी का उपयोग पेड़ों से कोमल पत्तियों को नीचे खींचने के लिए किया जाता है। यह मातृत्व का आशीर्वाद है। जैसे एक माँ अपने बच्चे को अपने स्तनों से दूध पिलाती है, वैसे ही परमेश्वर के सेवक प्रभु का आशीर्वाद लाते हैं और उन्हें लोगों तक पहुँचाते हैं। इस प्रकार हमें परमेश्वर के सेवकों से मातृत्व का आशीर्वाद प्राप्त करना चाहिए।

"... लेकिन हन्ना के कोई बालक न हुआ।" १ शमूएल १:२. "... तौभी यहोवा ने उसकी कोख बन्द कर रखी थी।" १ शमूएल १:६. ये पद हमें बताते हैं कि परमेश्वर ही ने उसके गर्भ को बंद कर दिया था। उसने यहोवा से प्रार्थना की और एक मन्नत मानी कि यदि यहोवा उसे एक

नहेम्याह बाइबल कॉलेज
EVENING COLLEGE
Chepauk & Santhoshapuram, Chennai.
माध्यमः तमिल
सदस्यता के लिए पंजीकृत उम्मीदवार - ATA
सुविख्यात अंतर्राष्ट्रीय मसीही अगुवे तथा पिछले 53 वर्षों से सेवारत वरिष्ठ पासवान
सर्टिफिकेट इन थियोलॉजी – 1 साल
डिप्लोमा ऑफ थियोलॉजी – 2 साल
योग्यता 10 वी या अधिक
जल्दी करें!
Contact : The Chairman, Nehemiah Bible College.
10, MOHAMMED ABDULLAH 2ND STREET, BELLS ROAD, CHEPAUK, CHENNAI - 600 005, INDIA.
Phone : (+91-44) 2852 8282, Cell : (+91) 98410 71852 / 95661 31858
E.mail : sam@echoofhiscall.org / Website : www.echoofhiscall.org

बालक देगा, तो वह उसे उसके जीवन भर यहोवा को लौटा देगी।

1. **"गर्भवती होने" का अर्थ है "परमेश्वर के दर्शन को स्वीकार करना"** - केवल यही महत्वपूर्ण नहीं है।

2. **बच्चे का जन्म होना चाहिए** - इसका मतलब है कि हमें परमेश्वर के दर्शन प्राप्त करके परिणाम लाने वाले होना चाहिए।

3. **फिर आपको बच्चे की परवरिश करनी है** - एक बार जब आप प्रभु के दर्शन प्राप्त कर लेते हैं, तो आपको उस दर्शन को ऊपर उठाना है और उसे बहुत सावधानी से क्रियान्वित करना है।

परमेश्वर के सेवकों कुछ माताओं की तरह नहीं होना चाहिए जो अपने नवजात शिशु को कूड़ेदान में फेंक देते हैं। सुसमाचार का प्रचार करके हम दूसरों में परमेश्वर के दर्शन उत्पन्न कर सकते हैं। लेकिन उनके इसे प्राप्त करने के तुरंत बाद, हम उन्हें यूं ही अकेला नहीं छोड़ सकते। हमें उन आत्माओं को आत्मा में, वचन में और सत्य में ऊपर उठाना है। उत्पत्ति 21:8 में हम पाते हैं कि अब्राहम का बच्चा बड़ा हुआ और उसका दूध छुड़ाया गया। बच्चे के दूध छुड़ाने के बाद अब्राहम ने एक बड़ी दावत दी। चर्च में एक व्यक्ति को दर्शन प्राप्त होने के बाद, परमेश्वर के सेवकों को आत्मिक सत्य प्राप्त करने और उसमें बढ़ने के लिए उसका मार्गदर्शन करना चाहिए। जिस तरह एक मां अपने बच्चों को बड़ा करने के लिए दूध पिलाती है, उसी तरह परमेश्वर के सेवकों को जिन्हें मातृत्व का आशीर्वाद मिला है, उन्हें पवित्र आत्मा की सामर्थ में खड़ा होना चाहिए और इसे कलीसिया और लोगों को देना चाहिए और उन्हें बढ़ने में मदद करना चाहिए। . परमेश्वर की कलीसिया को मजबूत बनाया जाना चाहिए। ... **अधोलोक के फाटक उस पर प्रबल न होंगे।** मत्ती 16:18। परमेश्वर के लोगों को परमेश्वर की कलीसिया में रोपा जाना चाहिए। जो वे यहोवा के भवन में रोपे जाकर, हमारे परमेश्वर के आंगनों में फूले फलेंगे। भजन 92:13।

4. गर्भ की आशीष!

...जब एलीशा घर में आया, तब क्या देखा कि लड़का मरा हुआ उसकी खाट पर पड़ा है। तब उसने अकेले भीतर जाकर द्वार बन्द किया, और यहोवा से प्रार्थना की। तब वह चढ़कर लड़के पर इस रीति से लेट गया कि अपना मुँह उसके मुँह से और अपनी आँखें उसकी आँखों से और अपने हाथ उसके हाथों से मिला दिये और वह लड़के पर पसर गया, तब लड़के की देह गर्म होने लगी। तब वह उसे छोड़कर घर में इधर उधर टहलने लगा, और फिर चढ़कर लड़के पर पसर गया; तब लड़के ने सात बार छींका, और अपनी आँखें खोलीं। 2 राजा 4:32–35।

यह भी लोगों को परमेश्वर के सेवकों के माध्यम से प्राप्त एक आशीष है। जिस तरह एक मां दर्द से एक बच्चे को जन्म देती है, उसी तरह परमेश्वर के सेवक परमेश्वर की सामर्थ प्राप्त करते हैं और लोगों को सुसमाचार का प्रचार करके इसे सक्रिय करते हैं, उन्हें बढ़ने में मदद करते हैं और उन्हें अन्य लोगों को भी कलीसिया में लाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं और इस तरह अधिक कलीसियाएं स्थापित करते हैं। इसमें परमेश्वर के सेवकों की भूमिका महत्वपूर्ण है। परमेश्वर से उन्हें जो भी आज्ञा मिलती है, उन्हें लोगों और कलीसिया के लिए न चूकते हुए पूरा किया जाना चाहिए। उन्हें परमेश्वर की आज्ञाओं की रक्षा भी करनी चाहिए।

जब हमें परमेश्वर की सेवा करने के लिए उसकी बुलाहट मिलती है, तो हमें उसे स्वीकार करना चाहिए न कि पीछे हटना है। यीशु मसीह के शिष्य थोमा अपने आप भारत आया, भले ही उसे भारत की भाषा या संस्कृति के बारे में कुछ भी पता नहीं था। वह अपने विश्वास के

पृष्ठ 9 में क्रमशः...

ऍको ऑफ हिज़ कॉल पत्राचार पाठ्यक्रम केवल भारत में उम्मीदवार के लिए

1. बाइबलकोर

हम नए मसीहियों और गैर–मसीहियों के लिए बाइबल के बुनियादी सत्य पर पत्राचार पाठ्यक्रम प्रस्तुत करते हैं अंग्रेजी–57 पृष्ठ, हिन्दी–76 पृष्ठ, और तमिल–96 पृष्ठ। आपको एक पाठ्यक्रम पुस्तक मिलेगी जिसका शीर्षक है नया जीवन – आपके लिए! इस कोर्स के पूरा होने के बाद आपको ***आपके लिए नया जीवन*** शीर्षक युक्त पाठ्यक्रम की एक पुस्तक प्राप्त होगी।

2. ईश्वरविज्ञान पत्राचार पाठ्यक्रम

ईश्वरविज्ञान पत्राचार पाठ्यक्रम नामक एडवान्स्ड डिस्टन्स एज्युकेशन पासबानों, सुसमाचार प्रचारकों और मसीही अगुवों के लिए भी उपलब्ध है जिन्हें परमेश्वर की सेवा के लिए बोझ है– अंग्रेज़ी 537 पृ. और तमिल 652 पृ. ! शुल्क रु. 1000/– लिया जाएगा, 149 अध्यायों की सात पुस्तकें दी जाएगी। सर्टिफिकेट इन मिनिस्ट्री दिया जाएगा। परमेश्वर आपको आशीष दे!

अधिक जानकारी के लिए आज ही सम्पर्क करें।

The Chairman, Nehemiah Bible College,
Echo of His Call, Post Box 2957
CHEPAUK, CHENNAI - 600 005.
Ph.: (044) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766,
Cell : 98410 71852, 95661 31858
E.mail : biblecor@yahoo.co.in

कर में छूट

किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था द्वारा "एको ऑफ हिज़ कॉल एज्युकेशनल ट्रस्ट" को दिया गया दान आयकर कानून की धारा ८० जी. के तहत कर मुक्त माना जाता है। इसके लिए अधिकृत रसीद दी जाएगी। दानदाताओं से निवेदन है कि वे अपने चेक तथा ड्राफ्ट **"एको ऑफ हिज़ कॉल एज्युकेशनल ट्रस्ट"** के नाम पर आपके आधार कार्ड और पैन कार्ड के साथ भेज दें।

Account Name	:	ECHO OF HIS CALL EDUCATIONAL TRUST
Account Number	:	1023 2923 805
Bank Name	:	STATE BANK OF INDIA
Branch	:	TRIPLICANE, CHENNAI - 600 005
IFSC Code	:	SBIN 0000249
SWIFT Code	:	SBI NIN BB 455

खाई से महल तक

(पास्टर एस. सॅम सेल्वा राज के जीवन अनुभव)

"जो पढ़े वह समझे" मत्ती 24:15

परमेश्वर पर्याप्त है GOD IS SUFFICIENT!

यहोवा के खोजियों को किसी भली वस्तु की घटी न होगी। भजन ३४:१०

सन १९६९ से, जब हमने एको ऑफ हिज़ कॉल की सेवकाइयों को शुरू किया, तो हमें अपनी विविध सेवाओं के लिए धन की आवश्यकता थी। हमें मजदूरों के वेतन, छपाई के कागज, डाक टिकट, टेलीफोन शुल्क, बिजली शुल्क, भवनों का किराया, परिवहन, दान आदि के लिए पैसा चाहिए था।

व्यक्तिगत रूप से कहूं तो मेरा प्रभु यीशु मसीह मेरे लिए काफी है। मैंने आज तक पैसे की आस में कभी किसी संस्था का दरवाजा या कार्यालय नहीं खटखटाया। मेरी आदत है कि मैं अपने चर्च के सदस्यों या दोस्तों से भी आर्थिक मदद नहीं मांगता। लेकिन अब तक, जिस प्रभु ने मुझे बुलाया है, वह मेरी सभी जरूरतों को समय पर अपने तरीके से चमत्कारिक ढंग से पूरा करता है।

उसने सब कुछ ऐसा बनाया कि अपने अपने समय पर वे सुन्दर होते हैं... सभोपदेशक 3:11।

कमियों और कठिनाइयों के समय में, मैं ऐसी परिस्थितियों को 'मेरे सहन करने का समय' के रूप में देखने की आदत बना लेता हूं, 'वह समय जब परमेश्वर मुझे प्रार्थना करने के लिए प्रेरित करता है', और 'प्रार्थना में परमेश्वर के साथ बेहतर संबंध बनाने के समय' के रूप में। इन अनुभवों के बाद मैंने बड़े चमत्कारों का आनंद लिया है। ऐसी स्थितियों में, परमेश्वर ने मेरी मदद करने के लिए कई अनजान लोगों को उठाया है। कई बार परमेश्वर ने मुझे और मेरे परिवार को अनजान लोगों के माध्यम से खिलाया है!

1975 में, मुझे बापूजी प्रेस को 300 रुपये का भुगतान करना था, जहां हमारी पत्रिका एको ऑफ हिज़ कॉल छपी थी। चूंकि मेरे हाथ में पैसे नहीं थे, इसलिए भुगतान में देरी हुई। एक विशेष गुरुवार को, मैंने उस प्रेस के प्रबंधक से कहा कि मैं अगले सोमवार को पैसे का भुगतान करूंगा। लेकिन उस पैसे को प्राप्त करने के लिए मेरे पास आय का कोई स्रोत नहीं था। यदि मैं पैसे का भुगतान करने में विफल रहा, तो मैं उस महीने के लिए एको ऑफ हिज़ कॉल पत्रिका प्रकाशित नहीं कर पाऊंगा और मुझे सरकार से कई परिणामों का सामना करना होगा जिसने मुझे बहुत परेशान किया। मैंने अपनी ज़रूरत के बारे में परमेश्वर से प्रार्थना की और चुप रहा। मुझे अगले रविवार तक आवश्यक धन नहीं मिला।

सोमवार की सुबह, जब मैंने डाकघर में अपना मेल बॉक्स खोला, तो मुझे नागलपुरम से एक लिफाफा मिला, जो दक्षिण भारत में मदुरै और तूतीकोरिन के बीच स्थित एक छोटा सा गांव है। लिफाफे के अंदर ३०० रुपये का बैंक डिमांड ड्राफ्ट (जिसे क्रॉस नहीं किया गया था) था। वह पैसा उस दिन की मेरी ज़रूरत के लिए काफी था। परमेश्वर ने मुझे अपने वादे के अनुसार प्रेस के पैसे का भुगतान करने में सक्षम बनाया। परमेश्वर की महिमा हो!

बहुत सालों बाद मैं नागलपुरम गांव में उस व्यक्ति से मिलने गया। आश्चर्य की बात कि, मझे एहसास हुआ कि वह एक गरीब मोची था।

वह मुझे देखकर बहुत खुश हुए। उन्होंने कहा, "सर, उस विशेष गुरुवार को, मुझे लगा कि कोई मेरे दिल की बात कह रहा है, मुझे 300 रुपये भेजने के लिए राजी कर रहा है, जो उस समय मेरे पास एको ऑफ हिज़ कॉल सेवकाइयों के लिए एकमात्र राशि थी। इसलिए मैंने वह पैसा शुक्रवार को भेजा और आपको वह सोमवार को मिला।"

इस प्रकार प्रभु यीशु मसीह मेरे जीवन में आश्चर्यकर्म करता है। भले ही हमारे पास कोई स्थायी वित्तीय सहायता नहीं है, फिर भी यीशु मसीह ऐसे अज्ञात लोगों के माध्यम से हमारी सभी जरूरतों को पूरा करते हैं।

हां, यह वास्तव में एक कठिन रास्ता है! फिर भी, मैं हर दिन परमेश्वर की महिमा की महानता को देखने में सक्षम हूं। **यहोवा मेरा चरवाहा है। मुझे कोई घटी नहीं है।**

यहोवा मेरा चरवाहा है, मेरी मुझे कोई घटी न होगी। भजन 23:1.

जो कोई बुद्धिमान हो; वह इन बातों पर ध्यान करेगा... भजन संहिता 107:43

■ ■ ■

पृष्ठ 7 से आगे:...

माध्यम से परमेश्वर की सामर्थ को प्रकट कर सका। उसकी समर्पित सेवा के कारण, परमेश्वर की महिमा प्रकट हुई। लोगों ने झुंड में पश्चाताप किया। ऐसा बताया गया है कि 30 लाख लोगों ने पश्चाताप किया।

उनमें से 7 लाख लोग सेवकाई में हैं। यदि ये लोग ठीक से काम करते हैं, तो हम कल्पना कर सकते हैं कि कितने लोग पश्चाताप करेंगे और परमेश्वर की संतान बनेंगे। इसे प्राप्त करने के लिए हमें गर्भ की आशीष की आवश्यकता है। जैसे एक मां दर्द में अपने बच्चे को जन्म देती है, हम लोगों को केवल तभी पश्चाताप करवा सकते हैं जब हम उसकी सेवकाई के लिए अपनी बुलाहट में ईमानदार और समर्पित हों।

2 राजा 4:18 एक ऐसे बेटे के बारे में बात करता है जो अपने पिता के पास जाता है जो काटने वालों के साथ था। बच्चे को बढ़ना चाहिए और पिता की सेवा करनी चाहिए। इसी तरह, जब कलीसिया या परमेश्वर के सेवक या कलीसिया के सदस्य बढ़ते हैं, तो उन्हें भी दूसरों की सेवा करनी चाहिए। और उस ने अपके पिता से कहा, "आहा, मेरा सिर, मेरा सिर! तब उस ने एक दास से कहा, "उसे उसकी माता के पास ले चल।" 2 राजा 4:19। जैसे एक बच्चा बीमार पड़ता है, परमेश्वर के सेवकों और विश्वासियों को उनके प्रार्थना जीवन, सेवकाई या गिरजे में आने में समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। हमें ऐसी समस्याओं को अनदेखा नहीं करना चाहिए। यह एक ऐसी बीमारी है जिसकी हमें उपेक्षा नहीं करनी चाहिए। यदि इसकी उपेक्षा की गई तो यह आत्मिक मृत्यु का कारण बन सकता है। इस घटना में ऐसा ही हुआ. मां के घुटनों पर बच्चे की मौत हो गई। यदि हम अपनी सेवकाई में या अपने आत्मिक प्रयासों में आत्मिक मृत्यु का सामना करते हैं, तो हमें चर्च जाने और अपने प्रभु परमेश्वर के पास आने की आवश्यकता है। मां ही बच्चे को बचा सकती है। जब हम गिरजाघर जाते हैं, तो प्रभु, जो हमारी माता हैं, निश्चित रूप से हमें बचाएगी। जो मर चुके हैं वे परमेश्वर के लिए कुछ नहीं कर सकते और वे उसके लिए चमक नहीं सकते।

यहेजकेल 47:3–5 में हम पढ़ते हैं कि जल में से होकर जाने के लिए एक हजार हाथ नापा गया। उस समय पानी टखनों तक था। फिर एक और हजार हाथ मापे गए, पानी घुटनों तक था। फिर से एक और एक हजार हाथ नापा गया और पानी कमर तक था। फिर से जब एक और हजार हाथ मापे गए, तो पानी एक नदी की तरह था और नबी उसे पार नहीं कर सका। परमेश्वर ने इसे थोड़ा-थोड़ा करके क्यों नापा? इसका कारण यह है कि, यदि हम परमेश्वर ने जो हमें ठीक से दिया है, उसे पार कर लें, तभी अगला आशीर्वाद नापा जाएगा और दिया जाएगा। तो, परमेश्वर यहां जो प्रकट करता है, वह यह है कि जब हम परमेश्वर द्वारा हमें दी गई चीज़ों का उचित उपयोग करते हैं, तो अगला आशीर्वाद हमारे पास आएगा। केवल जब हम अपने गिरजे नी कलीसिया की ठीक से देखभाल करते हैं या परमेश्वर ने हमें जो भी सेवकाई दी है उसे ठीक से करते हैं, तो हमें परमेश्वर का आशीर्वाद बहुतायत से मिलेगा और हम उसमें एक महान बढ़ौतरी देख सकते हैं।

गिनती 16:36–38 में हम यह पढ़ते हैं : तब यहोवा ने मूसा से कहा, "हारून याजक के पुत्र एलीआज़ार से कह कि उन धूपदानों को आग में से उठा ले; और आग के अंगारों को उधर ही छितरा दे, क्योंकि वे पवित्र हैं। जिन्होंने पाप करके अपने ही प्राणों की हानि की है, उनके धूपदानों के पत्तर पीट पीटकर बनाए जाएँ जिससे कि वह वेदी के मढ़ने के काम आए; क्योंकि उन्होंने यहोवा के सामने रखा था; इससे वे पवित्र हैं। इस प्रकार वह इस्राएलियों के लिये एक निशान ठहरेगा।"

सन्दूक, दीवट और वेदी निवासस्थान में एक ही स्थान पर रहेंगे। परंतु धूपदान याजक के हाथ में रहेगा, और जहां कहीं याजक जाएगा वहां वह जाएगा। अब, धूपदान एक अनचाही जगह में फंस गए हैं। धूपदान जो पवित्र स्थान तक आना चाहिए, लेकिन यहां हम इसे बाहरी दरबार में पाते हैं। यहोवा ने आज्ञा दी थी कि धूपदानों को हथौड़े पत्तर पीटकर बनाया जाए सकता है जो वेदी को ढंक सकें। हमें यह महसूस करना चाहिए कि हमारी आत्मिक उन्नति स्वर्ग तक पहुंचना चाहिए और रास्ते में नहीं रुकना चाहिए। हमें प्राप्त किसी विशिष्ट आत्मिक अनुभव से हमें संतुष्ट नहीं होना चाहिए । हमें आत्मिक रूप से बढ़ते रहना चाहिए और परमेश्वर की सेवा करनी चाहिए ताकि हम उसके राज्य में प्रवेश कर सकें।

2 राजा 4:21–35 में, हम पाते हैं कि मरे हुए बच्चे को जिलाने के लिए एक गधे, एक नौकर, मां, परमेश्वर के सेवक और उसके सहायक ने अपनी पूरी कोशिश की। इन पांच व्यक्तियों की तुलना सुसमाचार प्रचारकों, प्रेरितों, भविष्यद्वक्ताओं, पास्टरों और शिक्षकों से की जा सकती है। ये प्रमुख लोग हैं जो हमें गर्भ की आशीष देंगे। तीन लोग परमेश्वर के जन एलीशा के पास जाते थे। तब चौथे व्यक्ति गेहजी ने, जो एलीशा भविष्यद्वक्ता का सहायक था, एलीशा की छड़ी के द्वारा मरे हुए बच्चे को जीवित करने का प्रयास किया। चूंकि वह उसे जिलाने में असफल रहा, इसलिए वे बच्चे को एलीशा के पास ले गए।

जब एलीशा घर में आया, तब क्या देखा कि लड़का मरा हुआ उसकी खाट पर पड़ा है। तब उसने अकेले भीतर जाकर द्वार बन्द किया, और यहोवा से प्रार्थना की। तब वह चढ़कर लड़के पर इस रीति से लेट गया कि अपना मुँह उसके मुँह से और अपनी आँखें उसकी आँखों से और अपने हाथ उसके हाथों से मिला दिये और वह लड़के पर पसर गया, तब लड़के की देह गर्म होने लगी। तब वह उसे छोड़कर घर में इधर उधर टहलने लगा, और फिर चढ़कर लड़के पर पसर गया; तब लड़के ने सात बार छींका, और अपनी आँखें खोलीं। 2 राजा 4:32–35

बच्चे को बचाने के लिए एलीशा को कई तरीके आजमाने पड़े, इधर-उधर घूमना पड़ा और अंत में उसने बच्चे को जिंदा किया। उसके प्रयासों की तुलना उस मां से की जा सकती है जो अपने बच्चे को बड़े दर्द और प्रयास से जन्म देती है।

उसी तरह, परमेश्वर के सेवकों को दर्द सहना पड़ता है, ठीक उसी तरह जैसे मां अपने बच्चे को जन्म देती है। उन्हें संघर्ष करना पड़ता है ताकि लोगों का आत्मिक जीवन नष्ट न हो।

बच्चे के सात बार छींकने पर बच्चे के श्वसन तंत्र को अवरुद्ध करने वाली धूल को हटा दिया गया। परमेश्वर के सेवकों को भी लोगों के लिए किए गए कठिन परिश्रम पर ध्यान नहीं देना चाहिए और लोगों को गर्भ का आशीर्वाद देना चाहिए।

****

RNI.No.63656/95, Postal Regn.No.TN/CH/(C)/202/21-23 WPP.No.TN/PMG(CCR)/WPP-222/21-23

एको ऑफ हिज़ कॉल मासिक पत्रिका विनामूल्य पाने का सुअवसर

यदि आप डाक, डाक, पत्र, ईमेल, वॉट्स ॲप या फोन द्वारा हमें मित्रों/रिश्तेदारों के पते भेजेंगे तो हम उन्हें एको ऑफ हिज़ कॉल मासिक पत्रिका विनामूल्य भेजेंगे।

OUR BANK DETAILS:

1. Bank : State Bank of India

Branch : **Triplicane, Chennai-5**
Name : **S. Sam Selva Raj**
A/C No. : **1023 2934 679**
IFSC : **SBIN 00 00 249**
SWIFT CODE : **SBI NIN BB 455**

2. Bank : ICICI Bank

Branch : **Anna Salai, Chennai-6**
Name : **Echo of His Call**
A/C No. : **6038 0502 2319**
IFSC : **ICIC 000 6038**

3. Bank : State Bank of India

(This Account is for Tax Exemption for Indians only)

Branch : **Triplicane, Chennai-5**
Name : **Echo of His Call Educational Trust**
A/C No. : **1023 2923 805**
IFSC : **SBIN 00 00 249**

Google Pay: 98410 71858
PayPal : SAM SELVA RAJ
*****
E.mail : sam@echoofhiscall.org

एको ऑफ हिज़ कॉल

१६ भाषाओं में मासिक पत्रिकाएं, पत्राचार पाठ्यक्रम, कलीसिया रोपन, ग्रामीण अंग्रेज़ी हायस्कूल, सुसमाचार छापखाना, क्रूसेड, सेमिनार, समाज सेवा आदि।

वार्षिक शुल्कः रु. १००/- **आजीवन शुल्कः रु. २,०००/-**

एको ऑफ हिज़ कॉल की गतिविधियां आपके समान परमेश्वर के लोगों के स्वेच्छा दानों और भेंटों से पूरी की जाती हैं। आप परमेश्वर की अगुवाई के अनुसार **एको ऑफ हिज़ कॉल** और उसके सारे कार्यक्रमों को आर्थिक सहायता भेज सकते हैं। अनपहुंचे लोगों को सुसमाचार सुनाने हेतु और कलीसिया की स्थापना के लिए हमें आपकी सहायता की ज़रूरत है।

अगर आप **एको ऑफ हिज़ कॉल** मासिक पत्रिका नियमित रूप से प्राप्त करना चाहते हैं तो कृपया हमें लिख भेजें। जब कभी अपना पता या ई-मेल बदलें तो कृपया अपने पुराने एवं वर्तमान पते के बारे में अवश्य सूचना दें।

एको ऑफ हिज़ कॉल सेवकाई १६ भाषाओं की मासिक पत्रिका हमारे वेबसाइट पर भी उपलब्ध है। आप इस साइट पर जाकर और उसे डाऊनलोड करके उसे पढ़ सकते हैं और आशीष पा सकते हैं।

आपके पत्र, प्रार्थना अनुरोध और आपकी आर्थिक सहायता (मनी ऑर्डर, चेक या डिमांड ड्राफ्ट, एनईएफटी, पेपॅल को(Sam Selva Raj, sam@echoofhiscall.org) PhonePe (98410 71858), Gpay (98410 71858), Western Union, MoneyGram, etc.) कृपया निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकती है।

कृपया अपना **लैंड लाईन फोन/सेल फोन क्रमांक और ई-मेल पत्ता** आवश्यक सुधार/अद्यतनीकरण के लिए भेजें।

Our address :

ECHO OF HIS CALL
10, MOHAMMED ABDULLAH 2ND STREET, CHEPAUK, CHENNAI - 600 005, INDIA
PH: (+91-44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766/ Cell: (+91) 98410 71852, 95661 31858 / E.mails: sam@echoofhiscall.org / biblecor@yahoo.co.in
Websites: www.echoofhiscall.org / www.stpaulsmatriculation.com

YOU CAN SEND YOUR DONATION ONLINE ALSO

Regd. with the RNI under No . 63656/95
Licenced to post without pre-payment
Postal Regn. No. TN/CH (C) /202/21-23
Licence No. WPP. No. TN/PMG(CCR)/WPP-222/21-23
Date of Publication: Second week of every month
Date of Posting : 8th & 9th of every month
Posted at "Egmore RMS / 1 Patrika Channel"
on 9th NOVEMBER, 2022
If un-delivered please return to:
ECHO OF HIS CALL (HINDI)
P.O. Box No. 2957, Chepauk, Chennai - 600 005, INDIA.
Phone: (+ 91- 44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766

JESUS LOVES YOU!

To

GOD BLESS YOU!

Owned and published by **S. Sam Selva Raj** from New No. 8 & 10, Old No. 18 & 19, Mohammed Abdullah 2nd Street, Chepauk, Chennai-600 005 and printed by him at **Echo of His Call Printers**, New No. 8 & 10, Old No. 18 & 19, Mohammed Abdullah 2nd Street, Chepauk, Chennai-600 005. Editor: **S. Sam Selva Raj.**